048 सूरह फतह. का मुख्तसर लफ्ज़ो मे खुलासा.

नोट.- ये PDF फाइल कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

• सुल्हे हुदैबिया के हालात, फत्हे मक्का की खुशखबरी, इस्लाम की खुली हुई फतह, और सुलह की शर्तो का बयान, रसूलुल्लाहﷺ के सहाबा (रदी) की खूबियो और कुर्बानियो का बयान.

• रसूलुल्लाहﷺ ने मदीना मे एक ख्वाब देखा के आप मक्का मुकर्रमा मे साहबा (रदी) के साथ अमन व इत्मीनान के साथ दाखिल हो रहे हे और एहराम से फारिग होकर कुछ लोगो ने कायदे के मुताबिक सरका हलक करा लिया और कुछ ने अपने बाल छोटे करवा लिये, और ये के आपﷺ बैतुल्लाह मे दाखिल हुए और आपके हाथ मे बैतुल्लाह की चाबी आई, जब नबी करीमﷺ ने ये ख्वाब सहाबा (रदी) को सुनाया तो वोह सब के सब मक्का जाने और बैतुल्लाह का तवाफ करने के लिये ऐसे बेचैन हो गये कि उन्होंने फौरन ही रवानगी की तैयारी करनी शुरू कर दी, और जब सहाबा (रदी) की एक जमात तैयार हो गई तो नबी करीमﷺ ने भी मक्का जाने का इरादा फरमा लिया, क्युकी ख्वाब मे कोई खास महीना या साल तैय नही था तो उन्हें ये ख्याल हुआ कि शायद अभी ये मकसद हासिल हो जाये. और फिर हज़रत उस्मान (रदी) को सुलह की बातचीत के लिये मक्का भेझा इसी दरमियान ये बात फैली कि किसी ने हज़रत

उस्मान (रदी) को शहीद कर दिया हे, तो आपﷺ ने उन्के खून का बदला लेने के लिये एक दरख्त के नीचे बेअत की थी. जिसको बैअतुर्रिज़वान कहते हे.

| सुल्हे हुदैबिया खुली हुई फतह की खुशखबरी.- अल्लाह तआला ने आपको खुली हुई फतह अता फरमाई, खुली फतह का मतलब यहा कोई ज़मीन पर कब्जा हासिल करना नही हे, बल्कि शरीयते इस्लामी दुन्या मे फैल जाये, और वो आपकी हर कोताही से दरगुज़र फर्माये, यहा जिस्को कोताही कहा हे वो नबी की उंची शान के ऐतेबार से हे कि आप अफज़ल के खिलाफ कोई काम जो उम्मत पर शफ्फकत की वजह से किया हो उस्को भी नबीﷺ अपने हक मे कोताही समझते, या नबुव्वत से पहले का जो ज़माना था उस्के आमाल, तो अल्लाह तआला ने आपको तसल्ली, दिलासा, आश्वासन दिया. और आप पर अपनी नेमत को मुकम्मल फर्माये, और आपको सीधा रास्ता दिखाये. और आपको जबरदस्त कामयाबी दे. अल्लाह तआला ने हुदैबिया के मुकाम पर मोमिनो के दिलो को इत्मीनान अता फर्माया, ताकी उन्के ईमान मे जियादती हो. और उन्की गलतिया दूर हो जाये, और ईमान वाले मर्दो और औरतो को हमेशा की जन्नत अता फर्माये, जब्की मुनाफिको, मुशरिको को सख्त सज़ा दे. ए पैगम्बर! हमने आपको गवाही देने वाला खुशखबरी सुनाने वाला और खबरदार करने वाला बना कर भेझा हे. ताकी तुम अल्लाह और उस्के रसूल पर ईमान लावो, और उस्का साथ दो, और

सुबह शाम अल्लाह की तस्बीह बयान करते रहो. याद रखो! रसूलﷺ की बैअत खुद अल्लाह के साथ बैअत हे. जो नबी करीमﷺ की बैअत करके वादा खिलाफी करेगा, उस्का अन्जाम बहुत बुरा होगा. और जिसने अल्लाह से किया हुआ वादा पूरा किया तो उसे बहुत जल्दी अज़्रे अज़ीम अता फर्मायेगा.

| इख्लास वालो और मुनाफिको का जिक्र.- हुदैबिया मे शिरकत ना करने वाले गांव के लोग आपके मदीना तशरीफ लाने पर बहाने बनायेंगे. कि हम आपके साथ ना जा सके, बहुत अफसोस हे! असल मे हम अपने बाल बच्चो और माल और दौलत की मसरूफियतो मे लग गये थे, ये इन्के झूठे बहाने हे. इन्को अल्लाह के अज़ाब से कोई नही बचा सकेगा. इस्लीये के इन मुनाफिको का ये ख्याल था कि मुसलमान अब वापस लौट कर नही आयेंगे. बहुत जल्दी जब आप खैबर की मुहिम के लिये निकलेंगे, तो ये मुनाफिक लोग आपसे साथ चलने की इजाज़त मांगेंगे. क्युकी यहा गनीमत का माल मिलने की बहुत उम्मीद हे. आप उनसे कह दे कि हम तुम्को उस मुहिम मे ले जाने के लिये तैयार नही हे, क्युकी अल्लाह का यही हुक्म हे. अलबत्ता बहुत जल्दी तुम्हे ऐसे लोगो के साथ लडने के लिये बुलाया जायेगा जो बहुत जियादा ताकतवर हे. तुम उनसे जंग करते रहोगे या वो फर्माबरदार हो जायेंगे. उस वकत अगर तुमने साथ दिया तो तुम बेहतरीन अज़्रो सवाब पावोगे. और अगर पहले की तरह तुमने अल्लाह के रास्ते मे जाने से मुंह मोडा तो सख्त अज़ाब के

मुस्तहिक होगे. अल्लाह के रास्ते मे जाने से माफी सिर्फ अंधे, लंगडे और बीमार लोगो के लिये हे.

| **बैअते रिज़वान मे शरीक होने वाले.**- ए मुहम्मद! जिन ईमान वालो ने आपके हाथ पर हुदैबिया मे दरख्त के नीचे बैअत की थी उनसे राज़ी हो चुका हे. अल्लाह ने उन्के दिलो को सुकून और बहुत नजदीकी कामयाबी अता फरमाई. इस्के अलावा भी उन्को गनीमत और दूसरी कामयाबीयो से नवाज़ेगा. अगर हुदैबिया मे काफिर तुमसे लडते तो कभी तुम्हारे मुकाबले मे नही ठेर सकते. अल्लाह तआला का तरीका यही हे कि वोह अपने रसूलो की ज़रूर मदद करता हे. अल्लाह तआला ने तुम्हे मक्का की वादी मे जंग करने से रोका, हालांकि तुम उन्पर गालिब आ-चुके थे यानी जीत के करीब थे, उस वकत अगर मक्का मे ईमान वाले मर्द और औरते ना होती और उन्के जाये और बर्बाद होने का खतरा ना होता तो इन मक्का के काफिरो का तुम्हारे हाथो से सफाया करा दिया जाता. हुदैबिया मे काफिरो के दिलो मे जाहिलाना हमीय्यत और तरफदारी थी, मगर अल्लाह तआला ने ईमान वालो के दिलो को इत्मीनान से भर दिया. और उन्को तकवे की बात का पाबन्द रखा, और वो वाकई उस्के हकदार थे.

| **इस्लाम की इज़्ज़त बढना और सहाबा की शान.**- इस सुल्हे हुदैबिया के नतीजे मे अल्लाह तआला ने रसूलﷺ का ख्वाब सच कर दिखाया. अल्लाह ने चाहा तो तुम जरूर मस्जिद-ए-हराम मे दाखिल होंगे. और

तुम्हे किसी का खौफ ना होगा. वो अल्लाह ही हे जिसने अपने रसूलﷺ को हिदायत और दीने हक के साथ भेझा हे. ताकी दुन्या भरके मजहबो के उपर दीन-ए-इस्लाम को गालिब करदे और फज़ीलत दे. मुहम्मदﷺ अल्लाह के रसूल हे. और आपके साथी (सहाबा) काफिरो पर सख्त हे. और आपस मे बहुत ही नरम और एक दूसरे पर मेहरबान हे. वो सज्दा करने वाले, रुकू करने वाले, अल्लाह की रज़ामन्दी तलाश करने वाले हे. सज्दो के निशान उन्की पैशानियो पर साफ हे. अल्लाह तआला उन्की ब-दौलत इस्लाम की खेती को हरा भरा कर देगा. और काफिर उन्पर जलेंगे. अल्लाह तआला ने ईमान लाने वालो और नेक काम करने वालो से मगफिरत और बडे अज़्रो सवाब का वादा कर रखा हे.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. | मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.